

निर्णायक जंग जीतने पर होगी नजरें

भारत को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार, वेस्टइण्डीज को कप्तान होप, रदरफोर्ड से होगी एक और बड़ी पारीकी उम्मीद, पांचवां टी-२० आज

बेंगलुरू (एजेन्सियां)। भारत और वेस्टइण्डीज की टीमें जब २-२ की बराबरी के बाद शनिवार को निर्णायक पांचवें और अन्तिम टी-२० मुकाबले में उतरेगी तो दोनों की नजरे जीत के साथ श्रृंखला फतह करने पर होगी। करो या मरो बन गये इस मुकाबले में भारत को अपनी बल्लेबाजी की कमियों से पार पाते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा चूंकि कैरेबियाई टीम ने अब तक मेजबान को कांटे की टक्कर दी है। भारत के लिये समस्या शीर्ष क्रम से शुरू होती है। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ५६ रन बनाये जबकि अभिषेक का योगदान दो रन का रहा। एक बार साझेदारी टूटने के बाद मध्यक्रम पारी को संभाल नहीं सका। ईशान किशन, कप्तान श्रेयस अय्यर और नमन धीर बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे। लखनऊ में पहले टी-२० में १०२ रन बनाने के बाद श्रेयस ने अगले तीन मैचों में ४०, एक और १६६ रन बनाये। यहां हारने से बतौर कप्तान श्रेयस की छवि को ठेस पहुंचेगी। आयरलैण्ड और इंगलैण्ड से हारने के बाद जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान को हराकर उन्होंने आत्मविश्वास हासिल किया। श्रेयस की कप्तानी को खतरा नहीं है लेकिन अनुभवी और आक्रामक विरोधी टीम के सामने उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल जरूर उठ सकते हैं। तीसरे नम्बर पर ईशान ने ४३, ३७ और छह रन बनाये हैं। वहीं नमन धीर की पारियां चार, १० और शून्य की रही है। तिलक वर्मा और नीतिश कुमार रेड्डी भी हैदराबाद में १२-१ से १४.४ ओवर के बीच कोई चौका नहीं लगा सके। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में



न्यूजीलैण्ड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेली गयी है। कुछ आईपीएल मैचों के अलावा यहां बड़े मैच भी नहीं खेले गये। ऐसे में भारत स्पिनर कुलदीप यादव को फिर से टीम में ला सकता है। तीसरे और चौथे मैच में बाहर रहे कुलदीप का अनुभव टीम के लिये कारगर साबित हो सकता है। वहीं पिछले मैच में कंधे की चोट का शिकार हुए अर्शदीप सिंह की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, मयंक यादव, नमन धीर और रेड्डी कैरेबियाई बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा सके हैं। लिहाजा ऐसे में भुवनेश्वर का अनुभव काफी कारगर साबित होगा। वेस्टइण्डीज के लिये कप्तान शाई होप और शेरफान रदरफोर्ड २६१ और २२१ रन बना चुके हैं और श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शीर्ष दो स्थानों पर हैं। भारत को इन दोनों को जल्दी आउट करना होगा जैसा इंदौर में तीसरे टी-२० के दौरान किया था।

भारत-श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), नमन धीर, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रिंस यादव, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

वेस्टइंडीज-शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू (विकेटकीपर), कामिल पूरन, रोवमैन पावेल, शेरफान रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज, कीमो पाल, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती।

समय-रात्रि सात बजेसे।

दीप्ति और निक्की ने दिलायी भारत को जीत

महिला टी-२० जिम्बाब्वे चार विकेटसे हारा

रायपुर (आससे)। दीप्ति शर्मा (४९) और निक्की प्रसाद (अजेय ३९) की विषम परिस्थिति में खेली गयी उपयोगी पारी और दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए की गयी ६३ गेंद में ८२ रन की साझेदारी के दम पर भारत ने तीन मैचों की महिला टी-२० श्रृंखला के पहले मुकाबले में शुक्रवार को जिम्बाब्वे को चार विकेट से पराजित कर १-० की बढ़त हासिल कर ली। भारतने पहले जिम्बाब्वे को २० ओवर में पांच विकेट पर ११४ रन पर रोकने के बाद २६ गेंद शेष रहते छह विकेट पर ११६ रन बना लिए। दूसरा मुकाबला इसी मैदान पर रविवार को खेला जायेगा। ११५ रन के सामान्य लक्ष्य के सामने भारत की शुरुआत हाहाकारी रही और उसने १९ गेंद में ही अपने चार शीर्ष बल्लेबाजों को १९ रन पर ही खो दिया। कप्तान स्मृति मंधाना ने दो चौके लगा तेवर दिखलाये लेकिन उनके इस तेवर को न्याशा ग्वानजुरा ने खतरनाक होने से पहले ही शांत कर दिया। मंधाना केवल नौ रन ही बना सकी। इसके बाद अनुष्का शर्मा एक चौका लगा कर न्याशा ग्वानजुरा की दूसरी शिकार हो गयी। कप्तानी की जिम्मदारी से मुक्त होकर पहली बार उतरी हरमप्रीत कौर ने तो और निराश कर दिया और एक रन बना कर पवेलियन लौट गयी। अब निगाहें शेफाली वर्मा पर टिकी थी लेकिन वे भी दो गेंद खेल कर केवल चार रन बना कर न्याशा ग्वानजुरा की तीसरी शिकार हो गयी। टीम संकट में थी ऐसे में निक्की प्रसाद और अनुभवी दीप्ति शर्मा ने क्रीज पर पांव जमा लिए और जिम्बाब्वे की गेंदबाजों का दिलेरी से सामना करते हुए टीम के खाते में रन जोड़ना शुरू कर दिया जिससे टीम संकट से निकलने में सफल हो गयी। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए ६३ गेंद में ८२ रन की बेशकीमती साझेदारी कर भारत को जीत के करीब ला दिया। लेकिन दीप्ति अर्द्धशतक से एक रन पहले ओलिंडर चेरी की शिकार हो गयी। दीप्ति ने ४९ रन के लिए ३७ गेंद खेली जिसमें आठ चौके शामिल रहे। भारत को जीत के लिए १४ रन चाहिए थे लेकिन जब टीम का स्कोर ११० रन था ऋचा घोष (सात, एक छक्का) भी आउट हो गयी। दूसरे छोर पर डटी निक्की ने ३५ गेंद में छह चौके की सहायता से ३९ रन की अजेय पारी खेल कर भारत का स्कोर १५.४ ओवर में छह विकेट पर ११६ रन कर दिया। न्याशा ग्वानजुरा ने १८ रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले टास हार कर पहले खेलने को बाध्य जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ओवर की अन्तिम गेंद पर क्रांति गौड़ ने बिलब्ड बिजा को खाता खोलने से पहले ही पगबाधा कर दिया। मेहमान टीम को पहला झटका सात रन पर लगा। लेकिन इसके बाद केलिस नधलोवु और मोडेस्टर मुपाचिक्का ने लड़खड़ाये कदम को संभाल लिया और दूसरे विकेट के लिए ५६ गेंद में ५३ रन की सधी साझेदारी कर जिम्बाब्वे को एक सम्मानजनक स्कोर की ओर बढ़ाया। यह जोड़ी खतरनाक हो रही थी जिसे तोड़ने के लिए नयी कप्तान स्मृति मंधाना ने अपने गेंदबाजों को बदल-बदल कर अजमाया। आखिरकार इस जोड़ी को श्रीचरणी ने मोडेस्टर मुपाचिक्का का रिटर्न कैच लेकर तोड़ा। मोडेस्टर मुपाचिक्का ने पवेलियन लौटने से पहले २६ गेंद में एक चौके की मदद से १६ रन बनाये। जिम्बाब्वे का स्कोर दो विकेट पर ६० रन हो गया। इस जोड़ी के जुदा होने के साथ ही जिम्बाब्वे की रन गति सुस्त हो गयी जिसे बढ़ाने के चक्कर में सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु अरुंधति रेड्डी की गेंद पर चकमा खा कर बोल्ड हो गयी। उन्होंने ४२ रन के लिए ४४ गेंद खेली जिसमें छह चौके शामिल रहे। मेंहमान टीम को तीसरा झटका ८३ रन पर लगा। टीम को न्याशा ग्वानजुरा से बड़ी पारी की उम्मीद थी लेकिन वे निराश कर गयी और केवल नौ रन बना कर नंदिनी शर्मा की गेंद पर स्टंप हो गयी। मिशेल मावुंगा खाता भी नहीं खोल सकी और नंदिनी का दूसरा शिकार हो गयी। यह तो भला हो शायनें मायर्स का जिन्होंने अन्त में ३३ गेंद में चार चौके, दो छक्के की मदद से ४३ रन की तेज अजेय पारी खेल दी जिससे जिम्बाब्वे की टीम २० ओवर में पांच विकेट पर ११४ रन बनाने में सफल हो सकी। नंदिनी शर्मा ने ११ रन देकर दो विकेट लिए।

सुहास, भाविना का जीत से आगाज





नागोया (एजेन्सियां)। दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता और गत चैम्पियन सुहास एल वाई ने एशियाई पैरा खेलों की बैडमिण्टन स्पर्धा में जीत के साथ आगाज करते हुए पुरूषों के एकल एसएल फोर ग्रुप ई मैच में बांगलादेश के जायतू धर को सीधे गेम में हरा दिया। प्रशासनिक अधिकारी सुहास ने टोक्यो और पेरिस पैरालम्पिक में रजत पदक जीता था जबकि पिछले एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था। उन्होंने यह मुकाबला २१-८, २१-११ से जीता। पुरूषों के एकल एसएल फोर वर्ग में अभिजीत सखुजा ने चीनी ताइपै के एन चुआन येह को २१-१७, २१-१२ से मात दी। टोक्यो पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता और एशियाई पैरा खेलों के रजत पदक विजेता कृष्णा नागर ने चीनी ताइपै के जिया सियांग लिंग को २१-५, २१-४ से हराकर जीत के साथ आगाज किया। एसएच-छह वर्ग में एक और भारतीय सिवराजन सोलाइमलाइ ने ग्रुप डी में फिलीपींस के जान साइरस मेकलांग को २१-७, २१-६ से हराया । मिश्रित युगल एसएल श्री और एसयू फाइव ग्रुप ए के मैच में भारत की मनीषा रामदास और प्रमोद भगत ने चीन के लिचुआन शियोंग और टोंगटोंग को २१-१६, १९-२१, २१-१६ से मात दी। मानसी जोशी और रूत्विक रघुपति हालांकि अपना मुकाबला हार गये। महिला एकल एसएल श्री वर्ग में पूर्व विश्व चैम्पियन मानसी जोशी को चीन की यूमेइ लियू ने २१-१५, १४-२१, २१-१५ से हराया। दूसरी ओर टोक्यो पैरालम्पिक रजत पदक विजेता भाविना पटेल ने अपने अभियान का आगाज कुवैत की अहद अलरशीदी पर महिला टेबल टेनिस स्पर्धा के पहले दौर में जीत के साथ किया। भाविना ने महिला एकल ग्रुप ए के क्लास ४-५ मैच में ११-६,, ११-३, ११-६ से जीत दर्ज की। पैरा टेबल टेनिस में क्लास चार और क्लास पांच व्हीलचेयर खिलाड़ियों (क्लास १-५) के बीच उच्च-कार्यशील स्तरों को दर्शाते हैं, जहाँ खिलाड़ियों के पास बैठने के संतुलन और कोर या हाथ के नियंत्रण की अलग-अलग डिग्री होती है। बेबी सहाना रवि ने महिला एकल क्लास नौ ग्रुप बी के मैच में वियतनाम की थि होआ फुओंग एंगुयेन को ११-६, ११-५, ११-४ से हराया। पैरा टेबल टेनिस में क्लास नौ उन अथलीटों के लिए एक स्टैंडिंग स्पोर्ट्स क्लास है जिनके पैरों या खेलने वाले हाथ में हल्की शारीरिक दिक्कतें हैं या जिनके न खेलने वाले हाथ में गंभीर दिक्कतें हैं। शुभम वाधवा ने पुरूष एकल क्लास तीन ग्रुप मैच में नेपाल के केशव थापा को ११-६, ११ -४, ११-९ से हराया। जेहान मदान ने हमवतन संदीप डांगी को ११-८, १२-१०, १०-१२, ११-६ से मात दी।

पैरा एशियाई खेल

अर्शदीप की जगह भुवनेश्वर शामिल

बेंगलुरु (एजेन्सियां)। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शुक्रवार को कंधे में चोट से जूझ रहे अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर वेस्टइण्डीज के खिलाफ २-२ से बराबरी पर है। श्रृखला का निर्णायक मुकाबला शनिवार को यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जायेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को कहा बुधवार को हैदराबाद में वेस्टइण्डीज के खिलाफ चौथे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अर्शदीप सिंह को गेंदबाजी करने वाले हाथ के कंधे पर चोट लगी थी जिसके बाद भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया गया है। कहा गया है कि अंतिम टी-२०अंतरराष्ट्रीय मैच में अर्शदीप की उपलब्धता पर फैसला उनकी चोट से उबरने की स्थिति को देखते हुए मुकाबले से पहले लिया जायेगा। ३६ वर्षीय भुवनेश्वर को इससे पहले २२ अक्तूबर से क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैण्ड के खिलाफ शुरू होने वाली टी-२० श्रृंखला के लिए भी भारतीय टीम में चुना गया था।

तलाक के बाद पीने लगा था शराब, आते थे पैनिक अटैक

२६ दिन रिहैब में रह कर बदली जिंदगी-चहल

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी निजी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। मैदान पर अपनी हंसी-मजाक और चुलबुले अंदाज के लिए मशहूर चहल ने बताया कि तलाक के बाद उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। इस दौरान शराब पीने की आदत हद से ज्यादा बढ़ गयी थी। हालात ऐसे हो गये कि उन्हें रिहैब सेंटर में २६ दिन बिताने पड़े। चहल ने अपनी जिंदगी के इस दौर, पैनिक अटैक और क्रिकेट पर पड़े असर के बारे में खुलकर बात की। चहल से जब पूछा गया कि उन्होंने शराब छोड़ने का फैसला कब किया। इस पर स्पिनर ने बताया कि पिछले साल काउंटी क्रिकेट खेलने के बाद उन्होंने इस दिशा में कदम उठाया। चहल ने कहा पिछले साल



काउंटी क्रिकेट के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गयी थीं। इसलिए मैं रिहैब सेंटर में भर्ती हुआ और वहां २६ दिन रहा। अब मुझे पता है कि इन चीजों को कैसे संभालना है। इस फैसले ने मेरी निजी जिंदगी में बड़ा बदलाव किया। मेरी परिपक्वता बढ़ी और भावनाएं भी संतुलित हुईं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम उम्र होने के कारण पार्टियों में जाना आम बात थी। हालांकि तलाक के बाद शराब पीने की आदत बढ़ गयी और उनकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रही। मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं इसी रास्ते पर चलता रहा, तो उस चीज को ही बर्बाद कर दूंगा, जिससे मुझे सबसे ज्यादा प्यार है। वह है क्रिकेट। इसलिए मैंने इसे रोकने का फैसला किया। अब मैं ज्यादा खुश हूं और बेहतर स्थिति में हूं। चहल ने बताया कि निजी जिंदगी सार्वजनिक चर्चा का विषय बनने से उन्हें काफी परेशानी हुई। इसका असर उनके खेल पर भी पड़ा। उन्होंने कहा कि उस साल उन्होंने सीमित ओवरों के सिर्फ दो मैच खेले और मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण टी-२० क्रिकेट से दूर रहे। चहल ने कहा मैं पूरी तरह तैयार नहीं था और नहीं चाहता था कि मेरी वजह से टीम को नुकसान हो। मैंने अनिरुद्ध सर से बात की और ब्रेक मांगा। उन्होंने मेरा काफी साथ दिया। उन्होंने बताया कि एक समय के बाद उन्हें चिंता और पैनिक अटैक आने लगे। चहल के मुताबिक, ऐसे समय में उनकी धड़कन तेज हो जाती थी और चेहरे पर भी इसका असर दिखाई देता था। उनके होंठ एक तरफ खिंच जाते थे और वह ठीक से बोल भी नहीं पाते थे।

अमृता फाइनल में, कोमल को कांस्य

अण्डर-२३ विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप

लास वेगास (एजेन्सियां)। भारत की अमृता पुजारी ने अंडर-२३ विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में महिलाओं के ७२ किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अमृता ने कजाखस्तान की साबिरजानोवा को ७-१ से हराने के बाद सेमीफाइनल में चीन की वेंजिन कियू को १०-८ से मात दी। महाराष्ट्र के सोलापूर की अमृता का सामना अब यूक्रेन की इरिना जाब्लोत्स्का से होगा। दूसरी ओर कोमल ने महिलाओं के ५९ किलो वर्ग में कजाखस्तान की विक्टोरिया के को ७-२ से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले वह सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना फिलिपोविच से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गयी थी। उन्होंने कनाडा की एला फाईडिंग को हराया था। स्वीटर ५३ किलो वर्ग में रेपेचेज के जरिये कांस्य पदक की दौड़ में है। वह क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टेले रौद्रिगेज डोबलर से २-११ से हार गयी थी। डोबलर के फाइनल में पहुंचने से स्वीटी को रेपेचेज खेलने का मौका मिला है जिसमें वह चीन की शियापटोंग झेंग से खेलेगी। वैष्णवी पाटिल भी ६५ किलो वर्ग में रेपेचेज के जरिये पदक की दौड़ में है। वह जापान की हारूका कोबारू से खेलेंगी। दीक्षा मलिक महिलाओं के ७६ किलो वर्ग में पांचवें स्थान पर रही। वीजा से जुड़े कारणों से भारत महिलाओं के ५० किलो, ५५ किलो, ५७ किलो और ६२ किलो वर्ग और ग्रीको रोमन ६० किलो, ७७ किलो, ८२ किलो, ९७ किलो और १३० किलो में खिलाड़ी नहीं उतार सका है।

महासंघों को अब मिलेंगे ५० करोड़

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। देशमें अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओंके आयोजन को बढ़ावा देनेके लिए खेल मंत्रालयने शुक्रवारको राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को ५० करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता देनेका प्रावधान किया है। मंत्रालयने संशोधित राष्ट्रीय खेल महासंघ सहायता योजनाके संचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी करते हुए यह घोषणाकी। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनोंके लिए महासंघोंको अधिकतम दो करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाती थी। मंत्रालयके अनुसार संशोधित दिशा-निर्देश भारत के दीर्घकालिक खेल दृष्टिकोण और २०३६ ओलम्पिककी मेजबानीकी दावेदारीके साथ २०३० राष्ट्रमंडल खेलोंकी तैयारियोंके अनुरूप तैयार किये गये हैं। मंत्रालयके अनुसार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओंकी मेजबानीके लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता आयोजनके स्वरूप और महत्व, भाग लेने वाले देशों तथा खिलाड़ियोंकी संख्याके आधारपर तय की जायेगी।



अजय स्केटिंग अकादमी चैम्पियन



वाराणसी। अजय स्केटिंग अकादमी के बच्चों ने शानदार खेलका प्रदर्शन करते हुए डालिम्स सनबीम ग्लोबल स्कूल सिगरामें हुई प्रथम किड्स वारियर प्रमोशनल स्केटिंग चैम्पियनशिप में चैम्पियन होनेका गौरव हासिल किया। राजेश डोंगरा स्केटिंग स्कूल प्रथम रनरअप तथा डालिम्स सनबीम वर्ल्ड स्कूल पहड़िया द्वितीय रनरअप रहा। २५ स्कूलों के लगभग १५० बच्चों की तीन आयु वर्ग की हुई इस चैम्पियनशिपमें स्वास्तिक सिंह, अभ्युदय सिंह, अथर्व अग्रहरी, मोहम्मद इब्राहिम, धृति श्रीवास्तव, अनायरा यादव, अग्रिसा, दिवीशा वर्मा, नेहाल, विविक्षा सिंह, केशव, हिम्मत सिंह, आर्यावर्त चौरसिया, श्रीहन शाह, अथर्व गुप्त, मृणाल, शिशिर शुक्ल, राब्या, अनिका अग्रवाल, वनिक कपूर ने स्वर्ण पदक हासिल किया। मैच के पश्चात मेजबान स्कूल के सह निदेशक माहिर मधोप और कडली कैटर पीलर स्कूल की प्रधानाचार्य रश्मि शर्मा के साथ डालिम्स सनबीम स्कूल सिगराकी प्रधानाचार्य प्रतिभा द्विवेदी ने पुरस्कार वितरित किया। इस मौकेपर जिला रोलर स्पोर्ट्स स्केटिंग असोसियेशन के उपाध्यक्ष मोहिउद्दीन, रवि सिंह, सागर गौड़, अभिषेक शर्मा, अजय पटेल, नीरज गुप्त, अंजली गुप्ता, विशाल सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रेयांश ने दिलायी आदर्श क्रिकेट क्लब को जीत

वाराणसी। प्लेयर आफ द मैच श्रेयांश उपाध्याय (५५) के आक्रामक अर्द्धशतक के सहारे आदर्श क्रिकेट क्लब ने यहां हरउआ स्थित ओलम्पियन विवेक सिंह स्टेडियम में शुक्रवार को सगीर अहमद जूनियर अण्डर-१६ क्रिकेट लीग में दृष्टि क्रिकेट क्लब को आठ विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। दृष्टि क्रिकेट क्लब ने पहले खेलते हुए निहाल यादव ५३ और श्रेयांश यादव के १८ रन के सहारे सिमटनेसे पहले ३५ ओवर में १२९ रन बनाये। प्रख्यात सिंह और निष्कर्ष पाण्डेय ने दो-दो विकेट चटकाये। जवाब में आदर्श क्रिकेट क्लब की टीम ने २०.४ ओवर में ही केवल दो विकेट खोकर १३३ रन बना लिए। श्रेयांशके अलावा लक्ष्य सेठ ने ३५ और प्रख्यात सिंह ने अजेय २२ रन बनाये।

शिखर ने लगायी सुनहरी छलांग, शुभम, रतिमा को रजत







वाराणसी। वाराणसीके शिखर ने अपने खेल कौशलका शानदार मुजाहरा पेश करते हुए गाजीपुर में शुक्रवारसे शुरू ७०वीं मण्डलीय विद्यालयीय अथलेटिक्स प्रतियोगिताके पहले दिन जूनियर बालक वर्ग में ऊंची कूद स्पर्द्धा का स्वर्ण पदक हासिल किया। शिखरकी सुनहरी कामयाबी के बाद वाराणसी को फिर खुशी का पल दिया शुभम पाल ने जिसने जूनियर बालक वर्ग के १०० मीटर दौड़ में दूसरा स्थान

मण्डलीय विद्यालयीय अथलेटिक्स

हासिल करते हुए ट्रैक से चांदी का तमगा उठाया। बालिकाओं के जूनियर वर्ग में रतिमा पटेल ने भी अपने दमखम का प्रदर्शन करते हुए ४०० मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। तीनों पदक विजेता खिलाड़ी विकास इण्टर कालेजके छात्र हैं। पदक विजेता खिलाड़ियोंकी इस सफलता पर संयुक्त शिक्षा निदेशक वाराणसी मण्डल दिनेश सिंह, मण्डलीय क्रीड़ा सचिव राजेश कुमार सिंह और विद्यालयके चेयरमैन डाक्टर एके सिंह ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हाफ मैराथन का मार्ग बदला

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय निर्वाचन आयोगके खिलाफ जारी विरोध-प्रदर्शनोंके बीच रविवार को आयोजित होने वाली दिल्ली हाफ मैराथनके आयोजकोंने शुक्रवारको दौड़ के मार्ग में मामूली बदलाव की घोषणा की है जिसके तहत धावक रेल भवन, संसद मार्ग और पटेल चौकसे होकर नहीं गुजरेंगे। प्रदर्शनके कारण इन तीनों स्थानोंके आसपास पुलिसने भारी बैरिकेडिंग कर रखी है। विरोध प्रदर्शनोंको देखते हुए आयोजकों ने दौड़के मार्गमें संशोधन किया है। आयोजकोंके अनुसार धावक कर्तव्य पथ से बाईं ओर मुड़कर सेवा तीर्थ गोलचक्कर की ओर जायेंगे। इसके बाद वे मौलाना आजाद रोड पर बाईं ओर मुड़ेंगे। वहां से यू-टर्न लेकर सेवा तीर्थ गोलचक्कर के आसपास से होते हुए रफी मार्ग पहुंचेंगे और फिर दाईं ओर मुड़कर दोबारा कर्तव्य पथ पर आ जायेंगे।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल शनिवार, 17 अक्टूबर 2026

मेष-	परिवार में खुशी, अपेक्षित सहयोग, पुरातन विवाद हल, वातावरण अनुकूल, हर्ष भी।
वृषभ-	स्वास्थ्य की चिन्ता, संकल्प-विकल्प, मानसिक बेचैनी, समस्याएं उत्पन्न, सुख में कमी।
मिथुन-	निराशा का समापन, अनुकूल घटनाएं, मंगल आयोजन, धन निवेश, क्षमता में वृद्धि।
कर्क-	आरोग्यसुख, मित्रों से सहयोग, धनसंचय में प्रवृत्ति, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम।
सिंह-	आर्थिक पक्ष बेहतर, मान-सम्मान की प्राप्ति, धर्म में आस्था, मनोरंजन में रुचि।
कन्या-	उलझनें प्रभावी, शत्रु सक्रिय, राजकीय कष्ट, मान-सम्मान की चिंता, मानसिक तनाव।
तुला-	परिस्थितियों में सुधार, जिम्मेदारियों की पूर्ति, घरेलू वातावरण सुखद, धर्म में आस्था।
वृश्चिक-	साहसिक प्रयास प्रगति पर, वाद-विवाद की निवृत्ति, आश्वासनों से राहत, हर्ष भी।
धनु-	व्यवसाय में विस्तार, प्रगति का प्रयास, कर्ज की अदायगी, आत्मविश्वास में वृद्धि।
मकर-	कार्यों में उदासीनता, कटुवचन से कष्ट, मनोबल में कमी, सुख का अभाव, हानि भी।
कुम्भ-	व्यक्तित्व का विकास, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, वातावरण मनोनुकूल, नौकरी में पदोन्नति।
मीन-	अभीष्टसिद्धि, निराशा का समापन, जनसम्पर्क का सुयोग, धनागम का लाभ, प्रसन्नता।

आज है जिनका जन्मदिन 17 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 17 का मूलांक 8 का स्वामी ग्रह शनि एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। सूक्ष्मदर्शिता विशेष गुण होगा। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ होगी। बहुत जल्दी क्रोधित हो जायेंगे। आपके जीवन में अनेकों बार उतार-चढ़ाव के क्षण आयेंगे। आपकी महत्वकांक्षाएँ बहुत ऊँची रहेगी। में ईर्ष्या भावना अधिक रहेगी। आपके कार्यों में नवीनता की झलक मिलेगी। धार्मिक अध्यात्मिक कृत्यों में झुकाव अधिक रहेगा। क्रोध की स्थिति में अपना ही नुकसान कर लेंगे। सहज ही कुछ भी प्राप्त नहीं कर पायेंगे इसके लिए कठिनाईयों के दौर से गुजरना पड़ेगा। जनकल्याम की ओर रुझान रहेगा। छोटे एवं तुच्छ कार्यों से संतुष्ट नहीं होंगे। कोई भी कार्य जल्दबाजी में नहीं करेंगे। ये व्यक्ति हानि पहुँचाने की दिशा में गुप्त षडयंत्र करेंगे। देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना नियमित रूप से करें। दैनिक जीवन में हरा एवं नीला रंग का प्रयोग अधिकतम करें। शनिवार के दिन शनि ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें। शुद्ध शाकाहार जीवन अपनाएँ। सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ शं शनैश्चराय नमः	मास	: जनवरी, अक्टूबर एवं दिसम्बर
व्रत	: शनिवार	वर्ष	: 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
दिन	: सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	: हरा, नीला, काला एवं भूरा
दिनांक	: 8, 17, 26	जन्मरत्न	: नीलम उपरत्न : नीली
अंक	: 2, 4, 6, 7	जड़ी	: लाल चन्दन की जड़

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 जनवरी से 20 फरवरी, 20 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

सुडोकू ४०८६

तरीका खेलने का : दिमागी खेल और नम्बरों को पहेली है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। अगर नौ-नौ खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। खाली खानों में 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल कल देंगे।

								1
	1			6		5		
8			4					
		2	9					
	5					3	6	
			2					4
	3				5			
								9

हल: ४०८५

6	2	1	7	8	4	3	9	5
7	9	8	5	6	3	4	1	2
3	5	4	9	1	2	7	6	8
4	6	2	1	3	5	9	8	7
8	3	9	2	4	7	1	5	6
5	1	7	6	9	8	2	4	3
1	4	5	3	2	6	8	7	9
9	7	3	8	5	1	6	2	4
2	8	6	4	7	9	5	3	1